डीनेचर अल्कोहल एक्साइज कोटे से मुक्त

करनाल, (म.मो.): सेनिटाइजर में प्रयोग में आने वाला डी नेचरड अल्कोहल हुआ एक्साइज कोटे से मुक्त। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सम्बन्धित विभाग को दिशा निर्देश दिये हैं कि इस आदेश को 60 दिनों के अंदर कार्यान्वित किया जाए। ये जानकारी आयुर्वेदिक ड्रग्स मैन्युफैक्चररस एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के प्रधान अनूप भारद्वाज ने आज एडमाह के आफिस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। आयुर्वेदिक ड्रग्स मैन्युफैक्चर्रस एसोसिएशन ऑफ हरियाणा सेनिटाइजर के निर्माण हेतु; बहुत समय पहले से एक्साइज डिपार्टमेंट से इथाइल अल्कोहल की जगह डी नेचरड अलकोहल देने का आग्रह कर रही थी लेकिन एक्साइज डिपार्टमेंट आयुष इकाइयों को इथाइल अल्कोहल का कोटा एवं परमिट लेने के लिए और तरह तरह की औपचारिकता पूरी करने के लिये बाध्य करता था। जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती थी और छोटी एवं मध्यम आकार की इकाइयों को सेनिटाइजर बनाने के लिए कठिनायों का सामना करना प ?ता था।

'लड़कियों से भेदभाव उनके जन्म से ही हो जाता है शुरू'

करनाल, (म.मो.): चीफ ज्यूडिशल मैजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री जसबीर ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व ब्रेक-थ्रू संस्था ने राष्ट्रीय कानूनी साक्षरता मिशन के तहत पीएलवी के साथ कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम आयोजित किया। ब्रेक-थ्रू संस्था से मुकेश मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सबको जेंडर पर प्रशिक्षण दिया, जिसके तहत सामाजिक लिंग भेदभाव के बारे में सबके साथ चर्चा की गई और बताया गया कि किस प्रकार समाज में लिंग आधारित भेदभाव है। पावर वॉक गेम के माध्यम से लड़के व लड़की के बीच किये जा रहे भेदभाव के अंतर को सबके बीच स्पष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि लिंग आधारित भेदभाव हम उनके जन्म से ही शुरू कर देते है जिनसे दोनों की जिंदगी में बहुत बड़ा अंतर पैदा हो जाता है। एक को कमजोर दिखाया जाता है और एक को ताकतवर दिखाया जाता है। यह पितृसत्तात्मक सोच को बढ़ावा देता है। वर्तमान में ओलिंपिक खेलों में लड़कियां मेडल ला रही हैं अर्थात जिसको मौका मिला वह जरूर कुछ कर के दिखा रहा है लेकिन अभी भी बहुत सारी लड़कियों को सामाजिक मान्यताओं के चलते अनेक चीजों से वंचित होना पड़ता है चाहे वह शिक्षा हो या उसकी आजादी हो।

इस अवसर पर पीएलवी बबली ने कहा कि मैं अपनी दोनो बेटियों को पूरा स्पॉट करती हूँ और चाहे समाज के लोग कुछ भी कहे मैं अपनी बेटियों को हर वह मौका दूंगी, जिसे लोग सिर्फ लड़कों के लिए उचित समझते है। एडवोकेट मीनाक्षी गुप्ता ने सब को पीएलवी के कार्य के बारे में बताया व घरेलू हिंसा पर बातचीत की। ब्रेक-थ्रू से प्रदीप ने कहा कि हमें अपने बच्चों के साथ दोस्ती करनी पड़ेगी, तब ही वह हमारे साथ अपनी समस्याओं को रख पाएंगे, नहीं तो ऐसी समस्याएं एक दिन बड़ी बन जाती है और दुर्घटनाओं को जन्म देती है।

पानी उबाल कर पिएं: सिविल सर्जन

करनाल (म.मो.): सिविल सर्जन डा. योगेश शर्मा ने कहा कि गर्मी व बरसात के मौसम को देखते हुए कई प्रकार की बीमारियां फैलने का आंदेशा बना रहता है। कोरोना काल में तो और अधिक सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि हमेशा स्वच्छ पानी का सेवन करें, पानी को उबाल कर पिएं, खाना खाने से पहले व बाद में तथा शौच जाने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोएं, पीने के पानी के स्रोतों के पास शौच न करें, सड़े, गले, कटे हुए फल व बासी खाद्य पदार्थों को न तो खरीदें तथा न ही प्रयोग में लाएं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जानलेवा बीमारियों की रोकथाम के लिए भरपूर कोशिश करता है फिर भी जनता के सहयोग के बिना यह कार्य सम्भव नहीं है। आमजन इन बीमारियों से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय समय पर बतायी गई बातों पर अमल अवश्य करें तथा जानलेवा बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को अपना पूर्ण सहयोग दें। कोरोना वायरस से बचने के लिए सभी फेस मास्क अवश्य पहनें, सभी 2 गज की सामाजिक दूरी बनाएं रखें, अपने हाथों को बार-बार साबुन से अच्छी तरह धोएं, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

गंभीर जल संकट के बीच उपलब्धता के दावे

करनाल, (म.मो.): हरियाणा के तमाम शहरों में पानी को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं, जनता पानी खरीद कर पी रही है लेकिन हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान का एक रेडियो प्रोग्राम में दावा है कि राज्य में पेयजल की स्थिति बहुत बेहतर है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घरों में नल का पानी पहुंचाने के मामले में हरियाणा की स्थिति अन्य राज्यों के मुकाबले काफी बेहतर है। यहां के 99 फ़ीसदी घरों में नल का पानी पहुंच चुका है। राज्य के 21 जिलों में नल के पानी की सुविधा उपलब्ध है।

चौहान ने कहा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय का यह बयान हरियाणा में जारी विकास कार्यों की एक झांकी प्रस्तुत करता है। डॉ. चौहान ने कहा कि प्रदेश की मनोहर लाल सरकार हरियाणा को एक अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए कृतसंकल्प है और इस दिशा में निरंतर कार्य जारी है।

हाल ही में फरीदाबाद, गुड़गांव, रेवाड़ी, रोहतक आदि में पानी की किल्लत को लेकर हुए प्रदर्शन से शायद केंद्र सरकार और डॉ. चौहान अनभिज्ञ हैं, इसीलिए इसी तरह के गुमराह करने वाले बयान दे रहे हैं।

हरियाणा में डेयरी ऋण पर 25 फीसदी अनुदान योजना फिर शुरु

कम से कम 4 और अधिक से अधिक 10 पशु पर ही है ये योजना

करनाल, (म.मो.): पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार ने डेयरी ऋण पर अनुदान योजना दोबारा शुरू की है। इसके शुरू होने से अनुसूचित जाति ही नहीं अब सामान्य जाति के पशुपालक भी सरकार से 25 प्रतिशत सब्सिडी पर लोन लेकर 4 से 10 पशुओं की डेयरी खोल सकते हैं।

पशुपालन विभाग के उप निदेशक डा. धर्मेंद्र ने बताया कि करीब 15 वर्ष पहले डेयरी डेवलपमेंट विभाग को पशुपालन में मर्ज करते हुए पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई थीं। इनमें 10 पशुओं तक की डेयरी खोलने के लिए 25 प्रतिशत तक अनुदान पर ऋण मुहैया करवाने के लिए योजना भी शामिल थी। यह योजना 3 साल पहले बंद कर इसके स्थान पर ऋण के ब्याज में छूट देने की नई योजना शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को 20 या 50 पशुओं की बड़ी डेयरी खोलने के लिए प्रेरित

करना था लेकिन बड़े स्तर पर डेयरी खोलना हर पशुपालक के लिए आसान नहीं है। इसके चलते 10 पशुओं तक डेयरी के लिए ऋण पर अनुदान देने की मांग ज्यादा उठने लगी। इसको ध्यान में रखते हुए सरकार ने इस योजना को 3 वर्ष बाद दोबारा शुरू कर दिया है। लेकिन इसमें संशोधन भी किया गया है। पहले कम से कम 3 और अधिक से अधिक 10 पशुओं की डेयरी के लिए अनुदान दिया जाता है। अब इसमें दो श्रेणी बना दी है या तो 4 या फिर 10 पशुओं की डेयरी के लिए ही 25 प्रतिशत अनुदान पर ऋण दिया जाएगा। गाय, भैंस के अलावा भेड़, बकरी तथा सूअर पालन में रूचि रखने वाले पशुपालक भी 25 प्रतिशत अनुदान राशि के लिए पात्र होंगे।

क्या हैं शर्तें

उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदनकर्ता को हरियाणा का मूल निवासी होना जरूरी है और उसकी आयु 18 से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदन के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन आवेदक ने पशुपालन संबंधित क्षेत्र में कोई प्रशिक्षण लिया हुआ है तो उसे प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के समय प्रार्थी को अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड, परिवार पहचान पत्र, बैंक खाते का कैंसिल चैक तथा बैंक का अनापत्ति प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। इसके लिए प्रार्थी सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकता है।

सम्पत्ति कर बिलों पर जनता को राहत, बिल राशि पर 25 प्रतिशत और शेष पर 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट

करनाल, (म.मो.): नगर निगम आयुक्त डॉ. मनोज कुमार ने नागरिकों को चालू वित्त वर्ष के बिलों पर 25 प्रतिशत और शेष राशि पर 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दिए जाने को सरकार का उदारता भरा कदम बताया है।

उन्होंने बताया कि शहर के सभी वार्डों में चालू वित्त वर्ष के बिल वितरण का कार्य कई दिनो से जारी है। इसके फलस्वरूप नागरिक अपने बिलों का भुगतान कर छूट का लाभ उठा रहे हैं। अब तक करीब 1 करोड़ रूपये की राशि भी निगम के खजाने में जमा हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि बिल वितरण का कार्य सिम्पलैक्स नाम की एक निजी एजेंसी के कारिंदे घर-घर जाकर कर रहे हैं, फिर भी यदि किसी व्यक्ति को उक्त बिल प्राप्त नहीं होता, तो वह अपनी पुरानी आई.डी. लेकर नगर निगम कार्यालय की खिड़की नम्बर 6 व 7 पर प्रस्तुत करके उसका बिल प्राप्त कर सकता है। बिल लिए जाने के बाद इन्हीं खिड़कियों पर उसके भुगतान की भी सुविधा है।

उन्होंने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब सरकार ने चालू बिलों पर 25

प्रतिशत की अच्छी खासी छूट दी है। यही नहीं शेष 75 प्रतिशत राशि पर भी 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट देकर सरकार ने उदारता दिखाई है, लेकिन 10 प्रतिशत की छूट का लाभ 30 सितम्बर तक ही मिलेगा। नागरिकों को दो महीनो में इसका फायदा उठा लेना चाहिए।

निगमायुक्त ने बताया कि यदि किसी के प्रॉपर्टी टैक्स बिल में कोई त्रुटि है, तो उसका भी समाधान किया जा रहा है। इसके लिए व्यक्ति को यूएलबीएचआरवाईएनडीसी डॉट ओआरजी पर जाकर ऑनलाईन अपना ऑब्जैक्शन डालना होगा और करैक्शन के लिए जरूरी दस्तावेज अटैच करने पर त्रुटि कुछ दिनो में ठीक करवाई जा सकती है।

5 किलो गेहूं बांटकर 18 अगस्त को मोदी की योजना का ढिंढोरा पीटेंगे

करनाल, (म.मो.): अतिरिक्त उपायुक्त एवं अन्नपूर्णा उत्सव के नोडल अधिकारी योगेश कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 18 व 19 अगस्त को हर राशन डिपो पर अन्नपूर्णा उत्सव मनाया जायेगा। इसके लिए जिला प्रशासन की सभी तैयारियां जोरों पर हैं। इस दौरान प्रत्येक राशन डिपो पर कार्ड धारकों को 5 किलोग्राम व 10 किलोग्राम के बैग में परिवार के प्रत्येक सदस्य के हिसाब से 5 किलोग्राम गेहूं मुफ्त में बांटा जाएगा। इस उत्सव में डिपो स्तर पर गांव व शहर के गणमान्य व्यक्ति व जन प्रतिनिधि मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। सभी डिपो पर सुबह 10 बजे से राशन वितरण कार्य आरंभ होगा और यह पूरा दिन चलेगा।

एडीसी ने अन्नपूर्णा उत्सव के सफल आयोजन को लेकर खाद्य आपूर्ति विभाग, हैफेड, पंचायत विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड के कारण कोई भी परिवार भूखा न रहे इसके लिए नवम्बर 2021 तक मुफ्त राशन देने की घोषणा की है। कोविड में सुधार होने पर लोगों में उत्साह बढ़े इसके लिए प्रदेश में 18 व 19 अगस्त को अन्नापूर्णा उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय उत्सव के दौरान बीपीएल, एएवाई, ओपीएच राशन कार्ड धारकों को जिला में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 4 लाख 90 हजार बैगों में मुफ्त अतिरिक्त 5 किलोग्राम गेहूं प्रति सदस्य के हिसाब से वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला में कुल 646 डिपो होल्डर के माध्यम से 1 लाख 98 हजार 270 राशन कार्ड धारकों के 8 लाख 76 हजार 286 यूनिटों को 5 किलोग्राम गेहूं मुफ्त में वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह राशन पहले से ही दिए जा रहे राशन के अतिरिक्त दिया जाएगा।

11 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत

करनाल, (म.मो.): मुख्य न्यायिक मैजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल सुश्री जसबीर ने बताया कि आगामी 11 सितम्बर, 2021 को जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल के मार्गदर्शन में सेशन डिवीजन, करनाल में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा।

उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने लंबित मामलों जिसमें दुर्घटना के दावे, चेक बाउंस, बैंक वसूली, नागरिक विवादों से संबंधित सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं भी शामिल हैं और यहां तक कि घरेलू हिंसा अधिनियम आदि से संबंधित कंपाउंडेबल अपराधों के आपराधिक मामलों को नैशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलझा सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत विवादों के निपटान के प्रभावी तरीकों में से एक है। लोक अदालतों में विवादों का सौहार्दपूर्वक निपटारा किया जाता है।